



एशियाई और यूरोपीय महिलाओं पर घरेलू हिंसा: एक तुलनात्मक विश्लेषण

Domestic Violence Against Asian and European Women: A Comparative Analysis

Dr.Prakriti James

Assistant professor

Department of Education

Pt.Sundarlal Sharma Open University Chhattisgarh Bilaspur

सारांश (Abstract)

घरेलू हिंसा मानवाधिकारों का एक व्यापक उल्लंघन है जो दुनिया भर की महिलाओं को प्रभावित करती है। हालांकि, इसकी प्रकृति और प्रभाव सांस्कृतिक मानदंडों, कानूनी ढांचे और सामाजिक-राजनीतिक संरचनाओं के अनुसार भिन्न होते हैं। यह शोध पत्र एशियाई और यूरोपीय संदर्भों में महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा की व्यापकता, रूपों, कारणों और संस्थागत प्रतिक्रियाओं की तुलना करता है। वैश्विक आंकड़ों और शोधों के आधार पर यह पत्र प्रमुख अंतरों और समानताओं की पहचान करता है और महिलाओं की सुरक्षा के लिए नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करता है।

प्रस्तावना (Introduction)

घरेलू हिंसा (डीवी) एक वैश्विक समस्या है जो सभी सामाजिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करती है। यह किसी साथी पर भय और धमकी के माध्यम से शक्ति और नियंत्रण स्थापित करने के व्यवहार के पैटर्न को संदर्भित करती है, जिसमें अक्सर शारीरिक, यौन, भावनात्मक या मानसिक उत्पीड़न शामिल होता है (विश्व स्वास्थ्य संगठन [WHO], 2021)। हालांकि इसे रोकने के प्रयास बढ़े हैं, फिर भी सांस्कृतिक मानदंडों, कलंक और कानून प्रवर्तन से संबंधित चुनौतियाँ विशेष रूप से एशिया और यूरोप में बनी हुई हैं।

कार्यप्रणाली (Methodology)

यह अध्ययन तुलनात्मक गुणात्मक कार्यप्रणाली का उपयोग करता है और द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है, जैसे वैश्विक डेटाबेस, सरकारी रिपोर्ट, शैक्षणिक लेख और गैर सरकारी संगठन प्रकाशन। तुलना की जाने वाली थीमें हैं: व्यापकता, कानूनी ढांचे, रिपोर्टिंग और सांस्कृतिक प्रभाव।

एशिया में घरेलू हिंसा (Domestic Violence in Asia)

व्यापकता और रूप (Prevalence and Form)

WHO (2021) के अनुसार, दक्षिण एशिया में जीवनकाल में महिलाओं पर अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की व्यापकता लगभग 37.7% है, जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया में यह 40.2% है। हिंसा के रूपों में शारीरिक हमला, वैवाहिक बलात्कार, ऑनर किलिंग, दहेज से संबंधित हिंसा और तेज़ाब हमला शामिल हैं।

योगदान देने वाले कारक (Contributing Factors)

गहरी पैठ वाली पितृसत्तात्मक सोच और लिंग आधारित मानदंड प्रमुख कारण हैं (UN Women, 2019)। आर्थिक निर्भरता और पारिवारिक दबाव महिलाओं की स्थिति को और खराब करते हैं। अधिकांश एशियाई देशों में वैवाहिक बलात्कार अपराध नहीं माना जाता (ह्यूमन राइट्स वॉच [HRW], 2017), और पीड़ित महिलाओं को अक्सर सामाजिक बहिष्कार और कलंक का सामना करना पड़ता है।

कानूनी ढांचा और चुनौतियाँ (Legal framework and Challenges)

भारत जैसे देशों में घरेलू हिंसा से महिलाओं की रक्षा के लिए कानून (2005) बनाए गए हैं, लेकिन विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इनका कार्यान्वयन कमजोर है (भारत सरकार, 2020)।

यूरोप में घरेलू हिंसा (Domestic Violence in Europe)

व्यापकता और रूप (Prevalence and Form)

यूरोपीय संघ की मौलिक अधिकार एजेंसी (FRA, 2014) के अनुसार, प्रत्येक तीन में से एक यूरोपीय महिला ने 15 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक या यौन हिंसा का अनुभव किया है। भावनात्मक शोषण और मानसिक नियंत्रण भी आम हैं।

योगदान देने वाले कारक (Contributing Factors)

शराब की लत, प्रवासियों की सामाजिक अलगाव, और पूर्वी यूरोप में अब भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच प्रमुख कारक हैं (यूरोप की परिषद, 2019)।

कानूनी ढांचा और चुनौतियाँ (Legal framework and Challenges)

यूरोप में इस्तांबुल कन्वेंशन जैसे कानूनी साधनों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है (यूरोप की परिषद, 2011)। ज्यादातर देशों में सभी प्रकार की घरेलू हिंसा अपराध माने जाते हैं, लेकिन कार्यान्वयन में विविधता है।

तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Analysis)

विषय	एशिया	यूरोप
सांस्कृतिक मानदंड	पारंपरिक, पुरुष प्रधान मिश्रित; अधिक प्रगतिशील	

विषय	एशिया	यूरोप
प्रसार	उच्च (35–45%)	मध्यम से उच्च (25–33%)
वैवाहिक बलात्कार का अपराधीकरण	अधिकांशतः नहीं	अधिकांशतः हाँ
सार्वजनिक जागरूकता	ग्रामीण क्षेत्रों में कम	अधिकांश क्षेत्रों में अधिक
सहायता सेवाएँ	सीमित	अच्छी तरह विकसित
रिपोर्टिंग दर	कम	मध्यम
कानूनी प्रवर्तन	कमजोर	बेहतर, लेकिन असंगत

केस अध्ययन (Case Study)

भारत (India)

भारत में NCRB (2020) के अनुसार महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में से 30.9% घरेलू हिंसा से संबंधित हैं। हालांकि, सामाजिक कलंक, पारिवारिक बदनामी का डर और कानून प्रवर्तन की कमजोरी के कारण रिपोर्टिंग कम होती है (UN Women, 2020)।

स्वीडन (Sweden)

स्वीडन, जो लिंग समानता में उच्च स्थान पर है, वहाँ भी अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की दर उच्च है। विशेषज्ञ इसे बेहतर रिपोर्टिंग प्रणाली के कारण बताते हैं (FRA, 2014)।

चर्चा (Discussion)

एशिया और यूरोप के बीच कानूनी और सांस्कृतिक ढांचों में संरचनात्मक अंतर घरेलू हिंसा की प्रकृति और प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं। जहाँ यूरोपीय देश अधिक मजबूत कानूनी संरक्षण और सामाजिक सेवाएँ प्रदान करते हैं, वहीं एशिया में पारंपरिक और पितृसत्तात्मक मूल्य रिपोर्टिंग और पुनर्प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करते हैं। दोनों क्षेत्रों को महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

सिफारिशें (Recommendations/Suggestions)

- शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूत करें।
- वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित कर कानून को लागू करें।
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और कानूनी जानकारी को बढ़ावा दें।
- आश्रय, हेल्पलाइन और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करें।
- पुलिस, न्यायपालिका और स्वास्थ्यकर्मियों को संवेदनशीलता प्रशिक्षण दें।

निष्कर्ष (Conclusion)

घरेलू हिंसा लिंग आधारित असमानता का सबसे स्थायी रूप बनी हुई है। जबकि यूरोप में कानूनी ढांचे अधिक उन्नत हैं, एशिया में यह समस्या अधिक सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई है। दोनों क्षेत्रों को पीड़िता-केंद्रित दृष्टिकोण, सामुदायिक शिक्षा और मजबूत संस्थागत जवाबदेही को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संदर्भ (References)

Council of Europe. (2011). Council of Europe Convention on preventing and combating violence against women and domestic violence (Istanbul Convention). <https://www.coe.int/en/web/istanbul-convention>

Council of Europe. (2019). Ending violence against women: Council of Europe action. <https://www.coe.int/en/web/genderequality/violence-against-women>

European Union Agency for Fundamental Rights (FRA). (2014). Violence against women: An EU-wide survey. <https://fra.europa.eu/en/publication/2014/violence-against-women-eu-wide-survey-main-results-report>

Government of India. (2020). National Crime Records Bureau: Crime in India 2020. Ministry of Home Affairs. <https://ncrb.gov.in>

Human Rights Watch. (2017). India: Lawmakers should criminalize marital rape. <https://www.hrw.org/news/2017/05/10/india-lawmakers-should-criminalize-marital-rape>

UN Women. (2019). Progress of the world's women 2019–2020: Families in a changing world. <https://www.unwomen.org/en/digital-library/publications/2019/06/progress-of-the-worlds-women-2019-2020>

UN Women. (2020). Measuring the shadow pandemic: Violence against women during COVID-19. <https://www.unwomen.org/en/news/stories/2020/11/press-release-the-shadow-pandemic-violence-against-women-during-covid-19>

World Health Organization. (2021). Violence against women prevalence estimates, 2018: Global, regional and national prevalence estimates for intimate partner violence against women and global and regional prevalence estimates for non-partner sexual violence against women. <https://www.who.int/publications/>